

आसमान में सुराख कैसे करेगी कांग्रेस

सर्वमित्र सुरजन

कांग्रेस को अगर बाकी देश के लोकतंत्र को बचाना है तो उसे जनता को यह समझना होगा कि छह दिसंबर 1992 को देश ने क्या योग्य है। और इसमें केवल भाजपा की बुराई या श्री मोदी का महाल उड़ाने से काम नहीं चलेगा। कांग्रेस को यही सामित्र करना होगा कि उसके शासन में अभी से बेहतर क्या हो सकता है। छह दिसंबर 1992 का दिन था, जब ऐतिहासिक समझौता को तोड़कर, भाजपा की सत्ता की नींव देश में मजबूती से रख दी गई थी। अब उस जाह पर भव्य गम मिटा बन कर लगभग तैयार है, जिसका उद्घाटन कर अगले कई दिनों तक भाजपा अपनी सत्ता को पक्का बांध लेना चाही है। 1956 के बाद 1992 को बाबा अंबेडकर की दोबारा मौत हुई थी। एक बार स्वाभाविक मृत्यु आने के बाद, दूसरी बार बाबा साहब के सपनों को कुचलकर मौत देने से उन्हें किन्तु तकलीफ हुई होगी, यह बताने के लिए वे भौतिक तौर पर उत्पीड़ित नहीं हैं। लेकिन आसपास नहीं उत्तर देख लौजिए, गैरबवारी के शिकार लोगों की कलाकारों तस्वीरों पर कोई अधिकर करें, जो डॉ. अंबेडकर और पूरी स्वतंत्रता के लोगों को हुए होंगी। छह दिसंबर का बाबरी मस्जिद प्रत्यक्ष तौर पर तोड़ी गई थी, मगर उसके साथ-साथ संविधान की भी तस्वीर नहीं किया गया था। गण्यतया ख्याल रखें, भाजपा और यहां तक कि कांग्रेस में भी बहुत से लोग होंगे, जो इस दिन को भारत के लिए गैरबवारी मानते होंगे, मगर आने वाली पीढ़िदंश शायद इस बात को समझेंगे कि संवैधानिक मूल्यों को संहेज करन न रख पाने की कितनी बड़ी कीमत देश का चकानी पड़ रही है। अभी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव खेल हुए हैं और इसके बाद आम चुनाव की चर्चा तेज हो गई है। पांच में से तीन राज्यों में जीत कर भाजपा अब हैट्रिक की बात करने लगी है। ये हैट्रिक तीन राज्यों की जीत की नहीं, बल्कि सत्ता में लगातार तीसरी बार आने के लिए कीजी जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने तो इस बार लालकिले से ही एताहार कर दिया था कि मैं ही अलाली बार भी डिडा पहरोंगे आऊंगा। तब विधानसभा चुनाव होने वाले थे और उससे पहले कर्नाटक में भाजपा मात खा चुकी थी, पिंग भी श्री मोदी इस तरह के दावे कर रहे थे और अब तो तीन जीतों के साथ यह दावा और पुछता हो गया है। हालांकि ये बात तब भी लोकतंत्र के खिलाफ थी और अब भी है कि बिना चुनाव हुए ही, किसी की जीत या सत्ता वापसी की मुनाफी तौर पर कम और दिमागी तौर पर अधिक असर करने वाली बनाई जाने लगी है।

अमेरिकी धिक्क टैक का दावा-भारत में अत्यधिक गरीबी पूरी तरह खत्म हुई-शहरी

किशन सनमुखदास भावनानी गोदिया

कै शिक्षक स्तरपर आज हर देश जनता है कि भारत कितनी तेजी से विकास कर रहा है। यही कारण है कि उसके शासन में अभी से बेहतर क्या हो सकता है। छह दिसंबर 1992 का दिन था, जब ऐतिहासिक समझौता को तोड़कर, भाजपा की सत्ता की नींव देश में मजबूती से रख दी गई थी। अब उस जाह पर भव्य गम मिटा बन कर लगभग तैयार है, जिसका उद्घाटन कर अगले कई दिनों तक भाजपा अपनी सत्ता को पक्का बांध लेना चाही है। 1956 के बाद 1992 को बाबा अंबेडकर की दोबारा मौत हुई थी। एक बार स्वाभाविक मृत्यु आने के बाद, दूसरी बार बाबा साहब के सपनों को कुचलकर मौत देने से उन्हें किन्तु तकलीफ हुई होगी, यह बताने के लिए वे भौतिक तौर पर उत्पीड़ित नहीं हैं। लेकिन आसपास नहीं उत्तर देख लौजिए, गैरबवारी के शिकार लोगों की कलाकारों पर कोई अधिकर करें, जो डॉ. अंबेडकर और पूरी स्वतंत्रता के लोगों को हुए होंगी। छह दिसंबर का बाबरी मस्जिद प्रत्यक्ष तौर पर तोड़ी गई थी, मगर उसके साथ-साथ संविधान की भी तस्वीर नहीं है। एक बार स्वाभाविक मृत्यु आने के लिए वे भौतिक तौर पर उत्पीड़ित हो जाते हैं।



सभी रिपोर्ट्स को संज्ञान में लेकर लोकसभा चुनाव 2024 से गतिशील लोकसभा से उदित नई सरकार को अत्यधिक गरीबी समाप्त होने और कठोर धिक्क टैक का दावा है कि भारत अति गरीबी से पूरी तरह मुक्त हो चुका है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करें। अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय एजेंसी द्वारा भारत में भी गरीबी कम होने के दावों को अब अमरीली जामा पहना कर अपेक्षा यह एक लेख की कार्रवाई है। अमेरिकी धिक्क टैक का बूकिंग ने एक धिक्क का दावा किया है कि भारत आपेक्षित गरीबी से तुलना में चूकी जारी करना समय की मांग है।

में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करें। अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय एजेंसी द्वारा भारत में भी गरीबी कम होने के दावों को अब अमरीली जामा पहना कर अपेक्षा यह एक लेख में कहा है कि भारत ने अत्यधिक गरीबी की बात करना समय की मांग है।

साथियों बातें कर हम अमेरिकी धिक्क टैक द्वारा लिखे एक लेख की करें तो, अमेरिकी धिक्क टैक बूकिंग ने एक रिपोर्ट में दावा किया है कि भारत ने अपेक्षित गरीबी की बात करना समय की मांग है। अमेरिकी धिक्क टैक के लिए लोकसभा से अनुसार उच्च बूद्धि और अमरीली जामा पहना करना समय की मांग है।

माध्यम से चर्चा करें। अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय एजेंसी द्वारा भारत में गरीबी कम होने के दावों में क्रय शक्ति समानता 1.9 डॉलर प्रति व्यक्ति तक पहुंच गई है।

साथियों बातें कर हम अमेरिकी धिक्क टैक के लिए लोकसभा से अनुसार उच्च बूद्धि और अमरीली जामा पहना करना समय की मांग है। अमेरिकी धिक्क टैक के लिए लोकसभा से अनुसार उच्च बूद्धि और अमरीली जामा पहना करना समय की मांग है।

साथियों बातें कर हम अमेरिकी धिक्क टैक के लिए लोकसभा से अनुसार उच्च बूद्धि और अमरीली जामा पहना करना समय की मांग है।

आधिकारिक उपरोक्त व्यव्योग व्यवहार द्वेष जारी किया है, जो दस व्यापों में भारत के लिए पहला अधिकारिक रिपोर्ट के लिए उपलब्ध जानकारी के सहयोग से चर्चा करें। अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय एजेंसी द्वारा भारत में भी गरीबी कम होने के दावों को अब अमरीली जामा पहना कर अपेक्षा यह एक लेख में कहा है कि भारत ने अत्यधिक गरीबी की बात करना समय की मांग है।

साथियों बातें कर हम अमेरिकी धिक्क टैक के लिए लोकसभा से अनुसार उच्च बूद्धि और अमरीली जामा पहना करना समय की मांग है। अमेरिकी धिक्क टैक के लिए लोकसभा से अनुसार उच्च बूद्धि और अमरीली जामा पहना करना समय की मांग है।

साथियों बातें कर हम अमेरिकी धिक्क टैक के लिए लोकसभा से अनुसार उच्च बूद्धि और अमरीली जामा पहना करना समय की मांग है।

आधिकारिक उपरोक्त व्यव्योग व्यवहार द्वेष जारी किया है, जो दस व्यापों में भारत के लिए पहला अधिकारिक रिपोर्ट के लिए उपलब्ध जानकारी के सहयोग से चर्चा करें। अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय एजेंसी द्वारा भारत में गरीबी कम होने के दावों को अब अमरीली जामा पहना कर अपेक्षा यह एक लेख में कहा है कि भारत ने अत्यधिक गरीबी की बात करना समय की मांग है।

साथियों बातें कर हम अमेरिकी धिक्क टैक के लिए लोकसभा से अनुसार उच्च बूद्धि और अमरीली जामा पहना करना समय की मांग है। अमेरिकी धिक्क टैक के लिए लोकसभा से अनुसार उच्च बूद्धि और अमरीली जामा पहना करना समय की मांग है।

साथियों बातें कर हम अमेरिकी धिक्क टैक के लिए लोकसभा से अनुसार उच्च बूद्धि और अमरीली जामा पहना करना समय की मांग है।

आधिकारिक उपरोक्त व्यव्योग व्यवहार द्वेष जारी किया है, जो दस व्यापों में भारत के लिए पहला अधिकारिक रिपोर्ट के लिए उपलब्ध जानकारी के सहयोग से चर्चा करें। अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय एजेंसी द्वारा भारत में गरीबी कम होने के दावों को अब अमरीली जामा पहना कर अपेक्षा यह एक लेख में कहा है कि भारत ने अत्यधिक गरीबी की बात करना समय की मांग है।

साथियों बातें कर हम अमेरिकी धिक्क टैक के लिए लोकसभा से अनुसार उच्च बूद्धि और अमरीली जामा पहना करना समय की मांग है। अमेरिकी धिक्क टैक के लिए लोकसभा से अनुसार उच्च बूद्धि और अमरीली जामा पहना करना समय की मांग है।

साथियों बातें कर हम अमेरिकी धिक्क टैक के लिए लोकसभा से अनुसार उच्च बूद्धि और अमरीली जामा पहना करना समय की मांग है।

आधिकारिक उपरोक्त व्यव्योग व्यवहार द्वेष जारी किया है, जो दस व्यापों में भारत के लिए पहला अधिकारिक रिपोर्ट के लिए उपलब्ध जानकारी के सहयोग से चर्चा करें। अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय एजेंसी द्वारा भारत में गरीबी कम होने के दावों को अब अमरीली जामा पहना कर अपेक्षा यह एक लेख में कहा है कि भारत ने अत्यधिक गरीबी की बात करना समय की मांग है।

साथियों बातें कर हम अमेरिकी धिक्क टैक के लिए लोकसभा से अनुसार उच्च बूद्धि और अमरीली जामा पहना करना समय की मांग है। अमेरिकी धिक्क टैक के लिए लोकसभा से अनुसार उच्च बूद्धि और अमरीली जामा पहना करना समय की मांग है।

साथियों बातें कर हम अमेरिकी धिक्क टैक के लिए लोकसभा से अनुसार उच्च बूद्धि और अमरीली जामा पहना करना समय की मांग है।

आधिकारिक उपरोक्त व्यव्योग व्यवहार द्वेष जारी किया है, जो दस व्यापों में भारत के लिए पहला अधिकारिक रिपोर्ट के लिए उपलब्ध जानकारी के सहयोग से चर्चा करें। अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय एजेंसी द्वारा भारत में गरीबी कम होने के दावों को अब अमरीली जामा पहना कर अपेक्षा यह एक लेख में कहा है कि भारत ने अत्यधिक गरीबी की बात करना समय की मांग है।

साथियों बातें कर हम अमेरिकी धिक्क टैक के लिए लोकसभा से अनुसार उच्च बूद्धि और अमरीली जामा पह

कुदरती मार से किसान हुआ तबाह

महोबा/हमीरपुर/इटावा

लखनऊ, सोमवार 04 मार्च, 2024

खराब फसल व ओलो लेकर किया चक्का जाम



ओला वृष्टि से अत्रदाताओं की फसलें हुई बर्बाद

महोबा। रविवार को हुई बै मौसम की वारिश एवं ओलावृष्टि से किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है, 26 फरवरी को हुई बारिश से किसान अभी उत्तर भी नहीं पाया था कि 1 मार्च एवं 2 मार्च की रात हुई इमारियम वारिश एवं ओलावृष्टि ने किसानों के सामाने मुश्तिक खड़ी कर दी है तथा खेतों में खड़ी व कठी पड़ी हुई फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गयी हैं। खराब व आसपान की ग्रामीण क्षेत्रों में 26 फरवरी को तेज वारिश के चलते किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा था। 26 फरवरी की बारिश के बाद किसानों ने फसलों को सुखन के लिए खेतों पर ही छोड़ दिया था और अब खेत में रखी हुई फसलें सुखी ही थीं और श्रेष्ठिंग का काम शुरू ही हुआ था कि पुरु: बैमैसम वारिश के बची खड़ी किसानों की उम्मीद पर पानी फेर दिया। हरसील क्षेत्र के अलावा आसपान के क्षेत्र में एक मार्च की रात कीरी 9 बजे से रिमारियम वारिश का दोर शुरू हुआ है। 1 और 2 मार्च की रात हुई बारिश से, खड़ी वीथी को कठी रही है तथा रही है। 1 और 2 मार्च की रात हुई बारिश से किसानों के खेतों में पानी भर गया है तथा सूखन के लिए डली फसलें पूरी तरह से नष्ट हो चुकी हैं। फसल की कार्रवाई व शेषिंग से पूर्व आ दिन हो रही बारिश से किसान पूरी तरह से मायुस हो चुका है तथा फसल का एक दाना भी किसान के घरों में पहुंचने की उम्मीद अब समाप्त हो चुकी है। ग्राम पंचायत नरेनी के ग्राम प्रधान मंगल सिंह कुशवाहा बताते हैं कि मरकी की फसल के अलावा गेहूँ, चाना, लाही आदि की खेत में खड़ी हुई फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है, खेत में खड़ी हुई फसलें खड़ी हुई फसलों से खेत में गिर कर खराब हो गई हैं रसकार को चाहिए। यह बैमैसम वारिश से किसानों की हुए नुकसान का एक सर्व कारण एक दाना की बाब्द हुई फसलों का उत्तिम मुआवजा दिलाया जाय।

के अरमानों पर पानी सा फिर गया है जिससे वह बुरी तरह से टूट चुका है। असमान से गिरी बारिश की अफत किसानों को दर्द दे गई है जिससे किसानों की आंखों में स्नायब कराकर असुअंगों के कुछ नहीं बचा है। विजयी, भारी, नगार, आरी सहित तमाम गांवों में ओलावृष्टि से किसानों की फसलें पूरी तरह से टूट चुकी हैं। जिससे किसानों के सामने अब अपनी किस्त को कोसने के अलावा कुछ नहीं बचा है फसलों के बदल होने के कारण किसान पूरी तरह से टूट चुका है।

कभी सुखा तो कभी ओलावृष्टि तो कभी अतिवृष्टि कारण किसानों के जड़म नासूर बनते चले जा रहे हैं। कुदरती मार से किसान पूरी तरह तबाह हो चुका है जिससे आज उहोंने जैतपुरी नौगांव मार्ग पर इंद्रावरा, पसानाबाद में रोड बाल फसलों और अले लेकर बैठ गए किसान अपनी उम्मीदें लेकर बैठे थे विं इस बार उनकी फसल अच्छी होगी और अधिक उत्तरों के लिए बाब्द हुई फसलों को हुए नुकसान का सर्व कारण एक दाना की बाब्द हुई फसलों का उत्तिम मुआवजा दिलाया जाए। उपजिलाधिकारी कुलपाहड़ अनुराग

के अरमानों पर पानी सा फिर गया है जिससे वह बुरी तरह से टूट चुका है। असमान से गिरी बारिश की अफत किसानों को दर्द दे गई है जिससे किसानों की फसलों को भारी नुकसान पहुंचा था। 26 फरवरी की बारिश के बाद किसानों ने फसलों को सुखन के लिए खेतों पर ही छोड़ दिया था और अब खेत में रखी हुई फसलें सुखी ही थीं और श्रेष्ठिंग का काम शुरू ही हुआ था कि पुरु: बैमैसम वारिश के बची खड़ी किसानों की उम्मीद पर पानी फेर दिया। हरसील क्षेत्र के अलावा आसपान के क्षेत्र में एक मार्च की रात कीरी 9 बजे से रिमारियम वारिश का दोर शुरू हुआ है। 1 और 2 मार्च की रात हुई बारिश से, खड़ी वीथी को कठी रही है तथा रही है। 1 और 2 मार्च की रात हुई बारिश से किसानों के खेतों में पानी भर गया है तथा सूखन के लिए डली फसलें पूरी तरह से नष्ट हो चुकी हैं। फसल की कार्रवाई व शेषिंग से पूर्व आ दिन हो रही बारिश से किसान पूरी तरह से मायुस हो चुका है तथा फसल का एक दाना भी किसान के घरों में पहुंचने की उम्मीद अब समाप्त हो चुकी है। ग्राम पंचायत नरेनी के ग्राम प्रधान मंगल सिंह कुशवाहा बताते हैं कि मरकी की फसल के अलावा गेहूँ, चाना, लाही आदि की खेत में खड़ी हुई फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है, खेत में खड़ी हुई फसलें खड़ी हुई फसलों से खेत में गिर कर खराब हो गई हैं रसकार को चाहिए। यह बैमैसम वारिश से किसानों की हुए नुकसान का एक सर्व कारण किसानों की बाब्द हुई फसलों का उत्तिम मुआवजा दिलाया जाय।

फसलों की क्षति पूर्ति का जायजा लेने पहुंचे अधिकारी

महोबा। शासन एवं

जिलाधिकारी के निदेशनुसार दिनांक 2-3 मार्च की जनपद महाबा में बैमैसम वर्षा एवं ओलावृष्टि से कृषि फसलों में हुई क्षति के सम्बन्ध में जनपद की तीनों तहसीलों के राजस्व अधिकारी उपजिलाधिकारी / तहसीलदार / नियावद

तहसीलदार/राजस्व निरीक्षक / क्षेत्रीय लेखापाल को सर्वे के लिए क्षेत्रों में भेजा गया है। साथ ही सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों को यह निर्देश दिये गये कि कृषि फसल क्षति के सम्बन्ध में क्षति का उदारात्मक आंकलन किया जाये। सर्व परिणाम प्राप्त होते ही क्षति के सम्बन्ध में पीढ़िकी कृषकों को फसल क्षति हुए कृषि निवेश अनुदान की कार्यान्वयी प्राप्तिक्रिया परीक्षित की जायेगी।

प्रसाद अपने अमले के साथ मैके पर पहुंचकर किसानों की बातों को श्रीघंडी वीथी की जायेगी।

श्रीघंडी वीथी की जायेगी।

किसानों की बातों को करकर डाया फीड कर आपको मुआवजा दिलाया जायेगा।

सुनकर उहें आशासन दिलाया की

उपजिलाधिकारी कुलपाहड़ अनुराग

महोबा।

जिलेंद्र दोहरे, सपा प्रदेश सचिव के पी

शासन एवं प्रूप्रयासी संवेदन साक्ष्य ची

जिलाधिकारी के निदेशनुसार

दिनांक 2-3 मार्च की जनपद

महाबा में बैमैसम वर्षा एवं

ओलावृष्टि से कृषि फसलों में

हुई क्षति के सम्बन्ध में जनपद

की तीनों तहसीलों के राजस्व अधिकारी उपजिलाधिकारी / तहसीलदार / नियावद

तहसीलदार/राजस्व निरीक्षक / क्षेत्रीय लेखापाल को सर्वे के लिए क्षेत्रों में भेजा गया है। साथ ही सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों को यह निर्देश दिये गये कि कृषि फसल क्षति के सम्बन्ध में क्षति का उदारात्मक आंकलन किया जाये। सर्व परिणाम प्राप्त होते ही क्षति के सम्बन्ध में पीढ़िकी कृषकों को फसल क्षति हुए कृषि निवेश अनुदान की कार्यान्वयी प्राप्तिक्रिया को जायेगी।

प्रसाद अपने अमले के साथ मैके पर पहुंचकर किसानों की बातों को श्रीघंडी वीथी की जायेगी।

श्रीघंडी वीथी की जायेगी।

किसानों की बातों को करकर डाया फीड कर आपको मुआवजा दिलाया जायेगा।

सुनकर उहें आशासन दिलाया की

उपजिलाधिकारी कुलपाहड़ अनुराग

महोबा।

जिंदेंद्र दोहरे, सपा प्रदेश सचिव के पी

शासन एवं प्रूप्रयासी संवेदन साक्ष्य ची

जिलाधिकारी के निदेशनुसार

दिनांक 2-3 मार्च की जनपद

महाबा में बैमैसम वर्षा एवं

ओलावृष्टि से कृषि फसलों में

हुई क्षति के सम्बन्ध में जनपद

की तीनों तहसीलों के राजस्व अधिकारी / तहसीलदार / नियावद

तहसीलदार/राजस्व निरीक्षक / क्षेत्रीय लेखापाल को सर्वे के लिए क्षेत्रों में भेजा गया है। साथ ही सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों को यह निर्देश दिये गये कि कृषि फसल क्षति के सम्बन्ध में क्षति का उदारात्मक आंकलन किया जाये। सर्व परिणाम प्राप्त होते ही क्षति के सम्बन्ध में पीढ़िकी कृषकों को फसल क्षति हुए कृषि निवेश अनुदान की कार्यान्वयी प्राप्तिक्रिया को जायेगी।

प्रसाद अपने अमले के साथ मैके पर पहुंचकर किसानों की बातों को श्रीघंडी वीथी की जायेगी।

श्रीघंडी वीथी की जायेगी।

किसानों की बातों को करकर डाया फीड कर आपको मुआवजा दिलाया जायेगा।

सुनकर उहें आशासन दिलाया की

उपजिलाधिकारी कुलपाहड़ अनुराग

महोबा।

जिंदेंद्र दोहरे, सपा प्रदेश सचिव के पी

शासन एवं प्रूप्रयासी संवेदन साक्ष्य ची

<p

ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 172 रनों हराया

► कंगारूओं ने घर में घुसा कर न्यूजीलैंड को दी पटवानी। एजेंसी।

बेलंग्टन। नाथन लायन के विकेटों के सिक्सर की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को पहले टेस्ट मैच में चौथे दिन न्यूजीलैंड को 196 रन पर सेमेट कर 172 रन से जीत दर्ज की।

इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। न्यूजीलैंड ने कल सिस्टमेंट खेला गया तो घर के बाद घर में बुकावाजा हारी की टीम।



196 रन पर ढेर हो गई। टेस्ट क्रिकेट में 14 साल बाद ऐसा हुआ है जब न्यूजीलैंड की टीम अपने घर में दोनों पारियों में 200 से कम के स्कोर पर अंत आउट हुई है। इससे पहले वर्ष 2012 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हेलिंटन में न्यूजीलैंड ने टेस्ट पारियों में 200 से कम के स्कोर ढेर हो गई थी। ऑस्ट्रेलिया के 36 बर्षीय

गेंदबाज नाथन लियोन ने पहली पारी में चार और दूसरी पारी में छह विकेट लेकर मैच जीतने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दोनों पारियों में कुल 10 विकेट चटवाये। न्यूजीलैंड के लिए दूसरी पारी में केवल रिचर्ड विंडों ने 59 रन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की पारी में 383 रन का विश्वाल स्कोर खड़ा किया। उनके बाद बल्लेबाजी करने उत्तरी न्यूजीलैंड की पहली पारी में शुरूआत दिया था।

ऑस्ट्रेलिया की ओर नेथन लायन ने चार और दूसरी पारी में छह विकेट लेकर मैच जीतने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दोनों पारियों में कुल 10 विकेट चटवाये। न्यूजीलैंड के लिए दूसरी पारी में केवल रिचर्ड विंडों ने 59 रन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की पारी में 383 रन का विश्वाल स्कोर खड़ा किया। उनके बाद बल्लेबाजी करने उत्तरी न्यूजीलैंड की पहली पारी में शुरूआत दिया था।

ऑस्ट्रेलिया की ओर नेथन लायन ने चार विकेट लिये। जॉश हेजलवुड की शानदार गेंदबाजी के माध्यम से ऑस्ट्रेलिया के 38 से अंदर ही अपने सात विकेट गंवाकर

गाजा में पिछले 24 घंटों में इजरायली हमलों में 90 लोग मारे गए

एजेंसी।



कहिंगा। गाजा पट्टी पर पिछले 24 घंटों में इजरायली हमलों में करीब 90 लोग मारे गए हैं और 177 से अधिक घायल हुए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को जह जानकारी दी।

मंत्रालय ने टेलीग्राम पर कहा, पिछले 24 घंटों में इजरायली हमलों से गाजा पट्टी में 10 लोग मारे गए, 177 घायल हुए। मंत्रालय ने कहा कि इससे गाजा में युद्ध में मरे वालों की संख्या 30,410 हो गई है और घायलों की संख्या 70,000 हो गयी है। गैरतब वह है कि सात अक्टूबर 2023 को फिलिस्तीनी आदोलन हमास ने गाजा से इजरायल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रोकेट हमला किया और सीमा का उल्जन किया, जिसमें 1,200 लोग मारे गए और लगभग 240 अन्य को अधरहरा कर लिया गया। इजरायल ने जवाबी हमले शुरू किए, गाजा की पूर्ण नाकाबदी का

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया और एक दिन बढ़ाया गया।

युद्धविराम को कई बार बढ़ाया गया